


आजादी का अमृत महोत्सव (India@75) कार्यक्रम के दौरान दिनांक 17.09.2021 को केन्द्रीय मृदा एवं सामग्री अनुसंधानशाला में "संघ के कामकाज में राजभाषा हिन्दी का महत्व" के विषय पर श्री महेंद्र प्रसाद, राजभाषा विभाग द्वारा ऑनलाइन भाषण दिया गया। [#आजादीकाअमृतमहोत्सव](#)

राजभाषा का महत्व

किसी भी स्वाधीन देश के लिए, जो महत्व उसके राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का है, वही उसकी राजभाषा का है। प्रजातांत्रिक देश में जनता और सरकार के बीच भाषा की दीवार नहीं होनी चाहिए और शासन का काम जनता की भाषा में किया जाना चाहिए। जब तक विदेशी भाषा में शासन होता रहेगा, तब तक कोई देश सही मायने में स्वतंत्र नहीं कहा जा सकता।

कामकाज में राज




2. कानूनी प्रावधान

क. राजभाषा अधिनियम, 1963 यथा संशोधित 1967

राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) के अनुसार निम्नलिखित कागजपत्रों के लिए हिन्दी और अंग्रेजी दोनों का प्रयोग अनिवार्य है- 1. संकल्प, 2. सामान्य आदेश, 3. नियम, 4. अधिसूचनाएँ, 5. प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्ट, 6. प्रेस विज्ञप्तियाँ, 7. संसद के किसी सदन या सदनों के समक्ष रखी जाने वाली प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्टें एवं 8. सरकारी कागजपत्र, 9. संविदाएँ, 10. करार, 11. अनुज्ञप्तियाँ, 12. अनुज्ञापत्र, 13. टेंडर नोटिस और 14. टेंडर फार्म।

कामकाज में राज



2014 में सत्ता बदलने के बाद आया बड़ा बदलाव



- ▶ सत्ता और समय के साथ-साथ कई चीजें बदलती हैं।
- ▶ राज-काज और विदेश नीति तक में हिंदी भाषा को तरजीह मिलने लगी है।
- ▶ प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों द्वारा अधिकांश संवाद और ट्वीट भी हिंदी में किए जाने लगे हैं।
- ▶ प्रधानमंत्री भी वैश्विक मंचों पर हिंदी को बढ़ावा देते रहे हैं।
- ▶ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी हिंदी भाषा को प्राथमिकता दी गई है।

हिंदी: सोशल मीडिया

- ▶ हमारी हिंदी ग्लोबल है। न केवल वह युवाओं और बच्चों को रास आ रही है बल्कि तेजी से हर सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर जगह बनाती जा रही है। सबसे खास बात यह है कि हिंदी का यह रूप हमारा अपना है।
- ▶ यहां हिंदी किसी नियम कायदे में नहीं बंधी है। जिस भी तरह से हम उसे प्रेम करते हैं वैसी ही हिंदी हम दुनिया तक पहुंचा भी रहे हैं।
- ▶ असल में यही वो हिंदी है जो हमारी पहचान बन सकती है, जो आसान है, सहज है और ताकतवर भी है। क्योंकि इसमें मिली है दुनियाभर की कई भाषाओं की खुशबू। यही कारण है कि गैमिंग से लेकर, माइक्रो ब्लॉगिंग साइट्स और टेलीग्राफ तक हिंदी छाई हुई है।